वर्ष-11, अंक-1, 1-15 जनवरी, 2026 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

विशेषांक मूल्य : 150 रुपये
कुल पृष्ठ 152

11वें वर्ष का पहला अंक

बाल साहित्य विशेषांक

पढ़ें देश-विदेश के सवा सौ लेखकों की मौलिक एवं नवीन बाल रचनाएँ

बच्चों को बचपन से ही अनुशासित करें और मुश्किलों से भागने के बजाय उनका सामना करना सिखाएं, ताकि वे मजबूत बनें और जीवन में सफल हों-आचार्य चाणक्य

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 11, अंक : 1, 1-15 जनवरी, 2026

अनुक्रम

07 सम्पादक के नाम पत्र

08 सम्पादक की कलम से

10 अतिथि संपादक की कलम से

विरासत

11 चंद्रपाल सिंह यादव 'मयंक' की कुछ रचनाएँ : रोचिका अरुण शर्मा, चेन्नई

12 डॉ. अश्वघोषः एक जरूरी बाल साहित्यकार : दिविक रमेश, नोएडा

14 डॉ. श्याम सिंह शशि की रचना 'मेरे अबोध शिशु' : डॉ. रिचा सिंह, नई दिल्ली

15 प्रयोगधर्मी बाल साहित्यविद कन्हैयालाल 'मत्त' : भगवती प्रसाद गौतम, कोटा

एकांकी / नाटक

17 भारत अपना देश महान : अलका प्रमोद, लखनऊ

19 बेचारा शेरखान : बलराम अग्रवाल, नोएडा

21 प्यार की जीत : माणक तुलसीराम गौड़, मुंबई

23 शपथ स्वराज्य स्थापना की : उषा सोमानी, चित्तौड़गढ़

24 बचत की सीख : तरुण कुमार दाधीच, उदयपुर

कहानी

25 भुल्लन चाचा ने खेला नाटक : प्रकाश मनु, फरीदाबाद

30 दादा-दादी पार्क : डॉ. रमेश यादव, मुंबई

33 बीज : गोविंद शर्मा, हनुमानगढ़

34 वह सचमुच बड़ा हो गया : अलका सिन्हा, दिल्ली

36 नीलिमा का सफर : विमला भंडारी, सलूम्बर

38 पानी का महत्व : हरिन्दर सिंह गोगना, पटियाला

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर,
नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2,
सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
252, खिल्ला कॉलोनी, कालका
पंचकूला, हरियाणा-133302
सम्पर्क : **09466988764**

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार
निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : **09101834214, 9864337619**

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट,
चेन्नई-600 079
सम्पर्क : **9342302248, 9941245660**

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय

लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. (स्व.) श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)

वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार-रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
अभिषेक त्रिपाठी, आयरलैंड
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी- **विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी- **राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी- **नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी- **आशा सिंह देवासी**, मुंबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी- **प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
असम प्रभारी- **दीक्षित हजारिका**, तिनसुकिया
तमिलनाडु प्रभारी- **जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
उत्तर प्रदेश प्रभारी- **इंदुभाल त्रिपाठी**, प्रयागराज
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी- **अंकित जैन**, मेरठ

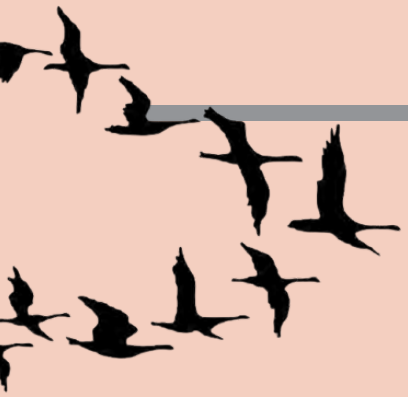

39 छोटी सी सीख : श्याम कृष्ण सक्सेना, लखनऊ
40 मेरोनी ग्रह की समस्या : ललित शौर्य, पिथौरागढ़
41 फिर से चहका पार्क : शिखर चंद जैन, कोलकाता
43 मैं हूँ इक पिंजरे का तोता : डॉ. शकुंतला कालरा, दिल्ली
45 वहम ! : पवन चौहान, मंडी, हि.प्र.
47 सियार का गाना और बाघ का खाना : समीर गांगुली, मुंबई
49 गणेश जी का सन्देश : दिनेश विजयवर्गीय, बूँदी, राज.
50 पेन की हड़ताल : इंदिरा त्रिवेदी, भोपाल
51 आरव का शेर : कामना सिंह, दिल्ली
54 टेडी बियर और मयंक : नीलम राकेश, लखनऊ
56 नीलकंठ की वापसी : सरिता सुराणा, हैदराबाद
58 चिड़िया रानी बड़ी सयानी : ममता प्रवीण, करनाल
59 सच्ची खुशी का अहसास : प्रकाश तातेड़, उदयपुर
60 पापा की जादुई टोपी : ओमप्रकाश क्षत्रिय 'प्रकाश', नीमच
61 पेड़ : शिवचरण सरोहा, दिल्ली
62 सरलता : सुषमा मुनीन्द्र, सतना
65 लटक कर देखो आसमान : धर्मवीर, दिल्ली
66 जानवरों की चौपाल : राजबाला शर्मा, पुणे
67 प्यारे न्यारे बंगले : विमला रस्तोगी, दिल्ली
69 मिस्टर हाइजीन : पवित्रा अग्रवाल, बैंगलोर
70 सबसे बहादुर : नफे सिंह कायदान, अम्बाला
72 किताबों की जादुई दुनिया : प्रियंका खंडेलवाल, मथुरा
73 ठग : पूनम मनु, मेरठ
75 बॉल और चिड़ी : कविता मुकेश, बीकानेर
76 कबूतरी की समझ : सुरेश सौरभ, लखीमपुर खीरी, उ.प्र.
77 अभिनव का संकल्प : डॉ. दीक्षा चौबे, दुर्ग, छ.ग.
79 बुद्धिमानी की प्रतियोगिता : अर्चना चतुर्वेदी, नोएडा

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश दास, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेघालय
रतन सूत्रधार, अगरतला, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
प्रफुल्ल कुमार दाश, भुवनेश्वर, ओड़िशा
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड
धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ
अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा ***chanakyavarta@gmail.com*** पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

आवरण व लेआउट : **स्वपन कम्यूनिकेशन, ग़ाज़ियाबाद, उ.प्र.**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

80 सच की जीत : संगीता माथुर, जोधपुर
82 आओ–जाओ : उषा साहू, मुम्बई
83 स्व-अनुशासन का मंत्र : चंद्रकला जैन, चंडीगढ़
84 शुभचिंतक दोस्त : डॉ. रंजना जायसवाल, मिर्जापुर, उ.प्र.
86 भीतर का शेर : सुमन ओबेरॉय, भोपाल
87 नवाब पायजामागढ़ी : संजीव जायसवाल 'संजय', लखनऊ

कविता

91 छोटे-छोटे हाथ जोड़कर : लक्ष्मीनारायण भाला, दिल्ली
92 सूर्य किरण और चन्द्र किरण : सूर्य कुमार पांडे, लखनऊ
92 पॉकेट मनी : भगवती प्रसाद द्विवेदी, पटना
93 खेल हवा का : डॉ. घमंडी लाल अग्रवाल, गुरुग्राम
93 खुश रहना जीवन की कुँजी : डॉ. राकेश चक्र, मुरादाबाद
94 गोलमगोल : डॉ. कृष्णा कुमारी, कोटा
94 भारत की पहचान : डॉ. रमेश मिलन, पुणे
94 मोबाइल की विनती : दिशा ग्रोवर, नोएडा
95 आज गए गोशाला हम : सम्राट समीर, पटना
95 बन कर सैनिक : आकांक्षा यादव, गुजरात
95 मजेदार हलवा : डॉ. फहीम अहमद, उ.प्र.
96 बिजूका : दीनदयाल शर्मा, हनुमानगढ़
96 दुनिया में यश पाते हैं : रतन सिंह किर्मोलिया, उत्तराखंड
96 पेड़ लगाओ : चक्रधर शुक्ल, कानपुर
97 पाला डॉगी : अरुण अर्णव खरे, भोपाल
97 शुरू हो गई अपनी शाला : शर्मिला चौहान, थाणे-महा.
97 कागज़ : राम करण, बस्ती-उ.प्र.
97 रानी गुड़िया : शशि लोहाटी, कोलकता
98 मुझे बताओ : डॉ. निर्मला शर्मा, दौसा, राज.
98 तितली : इंजी. संतोष कुमार सिंह, मथुरा
98 ठेलम-ठेल : मंजुल भटनागर, मुंबई
99 हवा कहाँ से आती पापा : डॉ. संतोष माधव, महोबा, उ.प्र.
99 मज़ा आ गया : शादाब आलम, लखनऊ
99 उलटा-पुलटा खेल : श्याम सुशील, गाजियाबाद
100 मैं बचपन जी लूँ : इन्द्रजीत कौर, सिलीगुड़ी
100 हरियाली : अक्षिता, लखनऊ
100 सुबह-सुबह जग जाओ : डॉ. कमलेन्द्र कुमार, जालौन, उ.प्र.
101 आँखों से मुस्काना सीखो : देवी प्रसाद गौड़, मथुरा
101 फंटूस : ब्रजेश आनंद राय, जौनपुर, उ.प्र.
101 हम भारत के लाल : उदय मेघवाल 'उदय', चित्तौड़गढ़
102 उसकी मीठी वाणी : राजेन्द्र निशेष, चंडीगढ़
102 सूरज दादा : सुधा शर्मा, मेरठ
102 हाथी आया : शिवानन्द सहयोगी, वाराणसी
103 बस्ता : दिनेश चन्द्र जोशी, देहरादून
103 बहादुर पंछी : शिवम् सम्राट, शामली, उ.प्र.
103 चूहा दादा : कीर्ति प्रजापति, महोबा, उ.प्र.
104 प्रवासी पक्षी : 'मीनू' मीना सिन्हा, रांची
104 प्रश्न : मनोज कुमार, सोनभद्र, उ.प्र.
104 हम बच्चे हैं फूल महकते : प्रेम कुमार शर्मा, बुलंदशहर, उ.प्र.

बाल पहेलियाँ

105 गोपाल माहेश्वरी, इंदौर
106 शशिबाला श्रीवास्तव, रायबरेली
106 रेखा भारती मिश्रा, पटना
106 महेश सोलंकी, जोधपुर
107 डॉ. मीरा सिंह 'मीर', बक्सर
107 दुर्गेश्वर राय, गोरखपुर
107 डॉ. वेद प्रकाश अग्निहोत्री, गोला गोकर्णनाथ खीरी, उ.प्र.
108 कैलाश बाजपेयी, कानपुर
108 कन्हैया साहू 'अमित', भाटापारा, छ.ग.

प्रवासी पन्ने

109 मुस्काता चल : डॉ. मीरा सिंह, फिलेडेल्फिया, अमेरिका
109 पहली गर्मी : दिव्या माथुर, लंदन
110 छोटू और गोलू : रीता कौशल, ऑस्ट्रेलिया
111 नानी का गाँव : संगीता चौबे 'पंखुड़ी', कुवैत
111 फिबी और खोये अक्षरों की तलाश : डॉ. ऋतु शर्मा ननन पाँडे, नीदरलैंड
112 चाँद खिलौना : डॉ. प्रतिभा गर्ग, सिंगापुर
113 बचपन का सूरज : डॉ. रमा पूर्णिमा शर्मा, जापान
113 भविष्य के सपने : रेखा राजवंशी, ऑस्ट्रेलिया
114 पानी की कीमत : अपर्णा शर्मा, दुबई
115 मीठा फल : अनु बाफना, दुबई
115 डोमिनो की कड़ी : डॉ. आरती 'लोकेश', दुबई
116 घर में है इतना उल्लास : मोहिनी बाजपेयी, अमेरिका

बालमन की लघुकथाएँ

117 आज के बाद : राम मूरत 'राही', इंदौर
117 सुबू पढ़ना सीख गई : डॉ. मोहम्मद साजिद ख़ान, शाहजहाँपुर, उ.प्र.
118 डायबिटीज : सुधा भार्गव, बैंगलोर
118 आपने झूठ क्यों बोला, नानू? : प्रभाशंकर उपाध्याय, सवाई माधोपुर
119 प्रेम की भाषा : अंजू खरबंदा, दिल्ली
119 चिड़ियां क्यों नहीं आती? : शील कौशिक, सिरसा
120 सटीक निर्णय : डॉ शैलजा भट्टड, बैंगलोर
120 हँसता हुआ दीपक : प्रिया साहा रॉय, अगरलता, त्रिपुरा
121 फेविकोल का मजबूत जोड़ : शशि पुरवार, नागपुर
121 छुट्टियों की बातें : सीमा भाटिया, लुधियाना

आलेख

122 साहित्य के प्रांगण में बचपन : प्रो. उषा यादव, आगरा
125 समीक्षा के अभाव में बाल साहित्य सृजन अधूरा है! : प्रो. सुरेन्द्र विक्रम, लखनऊ
127 विस्मृत होते प्राचीन बाल खेल गीत : शिवचरण चौहान, कानपुर
129 बाल विज्ञान कथाओं की अचरज भरी दुनिया : कृष्ण बिहारी पाठक, हिंडोन सिटी, राज.
131 संस्कारों का बीजारोपण करती बाल कहानियाँ : डॉ. दिनेश पाठक 'शशि', मथुरा
134 बाल विकास में बाल-साहित्य की भूमिका : कृष्ण कुमार यादव, अहमदाबाद

पुस्तक समीक्षा

137 बाल मन की राह समझती राही जी की कविताएँ : रोचिका अरुण शर्मा

समाचार जगत

139 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा
140 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन
141 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन
142 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/डॉ. आलोक सिंह
143 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण
144 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट
145 आर्थिक जगत : हेमन्त उपाध्याय

जॉब अलर्ट

146 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।

चाणक्य वार्ता के 16 दिसंबर 2025 के अंक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्रा पर संपादक डॉ. अमित जैन का संपादकीय पढ़ा। अब तक मोदी जी को लगभग 2.5 दर्जन देशों के सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं। इसलिए अब उनको किसी देश का सर्वोच्च सम्मान मिलना कोई विशेष समाचार नहीं लगता है। किंतु जब भी ओमान जैसा कोई मुस्लिम देश उन्हें सर्वोच्च सम्मान देता है, तब इसका महत्व अधिक बढ़ जाता है। क्योंकि भारत के अंदर की साम्प्रदायिक राजनीति और भारत के बाहर पाकिस्तान की साजिशें भी मुस्लिमों पर आधारित होती हैं।

बालाजी नायर
कन्नूर, केरल

चाणक्य वार्ता के 16 दिसंबर के अंक में संसद के शीतकालीन सत्र पर आर.पी.तोमर की रिपोर्ट पढ़ने को मिली। उन्होंने इसमें उल्लेख किया है कि इस सत्र में 8 विधेयक पारित हुए। ये सभी 8 विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण थे। विशेष बात यह है कि शीतकालीन सत्र प्रारंभ होने से पहले विपक्ष की बातें जानकर ऐसा लग रहा था कि संसद में बहुत अधिक हंगामा होगा। हंगामा होने के बाद भी संसद में सभी विधेयक पारित हो गए। यह एक अच्छी बात है। लोकसभा में 111 और राज्यसभा में 121 प्रतिशत काम हुआ। अर्थात् तय समय से भी अधिक काम। इस बार भी हंगामें के कारण संसद की कार्यवाही को कई बार स्थगित करना पड़ा। इसके बाद भी निर्धारित समय से अधिक घंटों तक काम करके इस नुकसान को पूरा कर लिया गया।

वेंकटेश शेट्टी
विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश

देश इस समय वंदेमातरम् की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर श्वेता गोयल का चाणक्य वार्ता के 16 दिसंबर के अंक में लेख पढ़ा। वंदेमातरम् को राष्ट्रगीत के रूप में मान्यता मिली हुई है। इसके बाद भी इसे वो सम्मान नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था। ऐसे में लेखिका का यह लेख वंदेमातरम् से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियों को साझा करता है। इसके अतिरिक्त यह गीत किस प्रकार भारतीय संस्कृति से जुड़ा हुआ है, इसके बारे में भी उन्होंने विस्तार से बताया है। वंदेमातरम् ने देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसलिए इस गीत को भी स्वतंत्रता सेनानी मानकर इसका सम्मान सभी संप्रदायों को करना चाहिए। इसी अंक में राजस्थान विधानसभा में वंदेमातरम् गैलरी पर डॉ. लोकश चंद्र शर्मा का लेख भी उल्लेखनीय है। ऐसी ही एक गैलरी जिसमें पूरा वंदेमातरम् भी लिखा हो, पश्चिम बंगाल में भी बनाई जानी चाहिए।

सौरभ दास
कोलकाता, पश्चिम बंगाल

चाणक्य वार्ता में दीपावली पर्व को यूनेस्को के द्वारा मान्यता दिये जाने पर योगेश कुमार गोयल तथा दिल्ली में प्रदूषण पर धीरेंद्र मिश्र का लेख पढ़ा। यूनेस्को द्वारा दीपावली को मान्यता देना भारतीयों के लिए गर्व का विषय है। जबकि दिल्ली में प्रदूषण अत्यंत चिंता की बात है। यहां एक बात और ध्यान देने वाली है कि दीपावली का नाम आते ही कुछ लोगों को पटाखों के कारण प्रदूषण की बात याद आने लगती है। अब तो दीपावली गुजरे बहुत अधिक समय हो चुका है। इस समय तो पराली भी नहीं जलाई जा रही है। फिर यह प्रदूषण क्यों? दीपावली को प्रदूषण के लिए दोष देने वाले अब कहां हैं? इससे स्पष्ट है कि दिल्ली या भारत में कहीं भी प्रदूषण के लिए सिर्फ पराली या दीपावली पर पटाखे जलाना ही जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे का कारण कुछ और भी हैं।

मृणाल सरमा
गुवाहाटी, असम

चाणक्य वार्ता के 16 दिसंबर के अंक में भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन पर मृत्युंजय झा का लेख पढ़ा। उम्मीद थी कि भारतीय जनता पार्टी अपना नया स्थायी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेगी। हालांकि यह उनका आंतरिक मामला है। किंतु क्योंकि इस राजनीतिक दल की हर बड़ी गतिविधि भारत की जनता को प्रभावित करती है इसलिए नितिन नबीन की नियुक्ति के बारे में भी हम पाठक जानना ही चाहते हैं। यह एक विश्लेषणात्मक लेख है, जिससे मुझे भाजपा के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष के बारे में काफी कुछ जानने को मिला है।

संजय जैन
कोल्हापुर, महाराष्ट्र

चाणक्य वार्ता के 16 दिसंबर के अंक में परिवार व्यवस्था पर डॉ. विनोद बब्बर व इगो और नकारात्मकता पर मेघा राठी का लेख पढ़ा। जहां तक डॉ. विनोद बब्बर के लेख की बात है, तो उनका लेख पढ़कर मुझे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुटुम्ब प्रबोधन के बारे में ध्यान आ गया। एक बार मेरी मुलाकात इसी कार्य से जुड़े एक व्यक्ति से हुई थी। तब उन्होंने मुझे परिवार के महत्व को बहुत अच्छी तरह से समझाया था। मेघा राठी के लेख ने भी मुझे बहुत अधिक प्रेरणा प्रदान की है।

पार्थ पटेल
सूरत, गुजरात

चाणक्य वार्ता के 16 दिसंबर 2025 के अंक में नायब सिंह सैनी सरकार के द्वारा हरियाणा में एक नया जिला हांसी बनाने पर लेख पढ़ा। भाजपा सरकारें हमेशा ही कार्य की सुविधा के लिए छोटे राज्यों व छोटे जिलों को प्राथमिकता देती रही हैं। मैं समझता हूं कि हरियाणा सरकार ने भी यह कदम इसी दिशा में बढ़ाया है। इसी अंक में पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर डॉ. भरत कुमार का लेख पढ़ा। वैसे तो एसआईआर देश के एक दर्जन राज्यों में हो रहा है, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के रुख के कारण यहां इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। वैसे भी बांग्लादेशी घुसपैठियों से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल ही मुख्य राज्य है।

रोशन झा
पटना, बिहार